पाठ 15. सुनीता विलियम्स के अनुभव

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत साक्षात्कार का उद्देश्य अंतरिक्ष में पहुँचने वाली भारतीय मूल की महिला अंतरिक्षयात्री सुनीता विलियम्स के व्यक्तित्व एवं अंतरिक्ष यात्रा के अनुभवों से परिचित कराना तथा अंतरिक्ष जगत से जुड़ी बहुत-सी जानकारियाँ देना है।

पाठ का सारांश

सुनीता विलियम्स भारतीय मूल की अमरीकी अंतरिक्षयात्री हैं। वे विश्व की प्रथम महिला अंतरिक्षयात्री हैं जिन्होंने अंतरिक्ष में सबसे अधिक समय तक रहने का रिकॉर्ड बनाया। सुनीता विलियम्स दो बार भारत आ चुकी हैं। जब वे दूसरी बार भारत आईं तो मुख्यत: स्कूली बच्चों से मिलीं। बच्चों ने उनसे कई सवाल पूछे जिनके उन्होंने विस्तार से उत्तर दिए। सुनीता विलियम्स ने बताया कि वे बचपन से पशु चिकित्सक बनना चाहती थीं क्योंकि उन्हें पशुओं से बहुत लगाव है। उन्होंने बताया कि उनके पिता भारतीय मूल के गुजराती हैं। पिता ने ही उन्हें भारतीय सभ्यता-संस्कृति को जानना-समझना सिखाया। सुनीता को भारतीय व्यंजन बहुत पसंद हैं और वह अंतरिक्ष में इन्हें अपने साथ ले गई थीं। सुनीता ने बच्चों को आपसी भाईचारा फैलाने का संदेश दिया।

अध्यापन संकेत

पाठ पठन से पूर्व **पहले पहल** में पूछे गए प्रश्नों पर बच्चों से चर्चा करें। पाठ का स्वयं वाचन करें अथवा एक-एक कर बच्चों से वाचन करवाएँ। उन्हें सुनीता विलियम्स के बारे में बताएँ। बच्चों से पूछें तथा समझाएँ–

- बच्चों को भारतीय अंतरिक्षयात्री राकेश शर्मा तथा कल्पना चावला के बारे में जानकारी दें।
- बच्चों से जानना चाहें कि वे अंतरिक्ष के संबंध में क्या-क्या जानते हैं अथवा उनकी कल्पना में अंतरिक्ष कैसा है।
- बच्चों से पूछें, क्या वे किसी मुश्किल काम को करने से पहले ही छोड़ देते हैं।
- उन्हें समझाएँ, साहस और धैर्य द्वारा किसी भी काम को आसान बनाया जा सकता है।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।